University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

Ability Enhancement Course (AEC)

Hindi

Three/Four Year Under Graduate Programme in Deaf, Dumb & Blind (Hindi Literature AEC I & II)

I &II Semester

Examination-2025-26

अतिरिक्त कुलसचिव
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ABILITY ENHANCEMENT COURSE

बी.ए./बी.एससी./ बी. कॉम- मूक बधिर - प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी व्याकरण

2 क्रेडिट- 50 अंक

प्रश्न पत्र- 40 अंक

आंतरिक मूल्यांकन- 10 अंक

उद्देश्य (Objectives)	1. विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल विकसित करना। 2. हिन्दी भाषा को अधिक सशक्त और व्यापक बनाना तथा विद्यार्थियों में भाषायी कौशल का विकास करना। 3. शोध के लिए नवीन शैक्षिक दृष्टि की पृष्ठभूमि तैयार करना। 4. सृजनात्मक लेखन तथा आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. भाषायी ज्ञान से अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण कौशल का परिमार्जन हो सकेगा। 2. हिन्दी व्याकरण का ज्ञान सृजनात्मकता में उपयोगी सिद्ध हो सकेगा। 3. भाषायी क्षमता से वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी का उन्नयन कर सकेंगे। 4. हिन्दी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र दो खण्डों (अ और ब) में विभक्त है।

खण्ड- **अ** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 में इकाई 1 के भाग (क) एवं (ख) तथा इकाई 2 के भाग (क) एवं (ख) प्रत्येक से दो-दो प्रश्न से कुल आठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 03 अंक का होगा।

खण्ड- **ब** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2 में इकाई 3 एवं 4 के भाग (क) एवं भाग (ख) से एक-एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई–1

(क) **शब्द निर्माण**– उपसर्ग एवं प्रत्यय, संधि एवं समास।

(ख) **शब्द के प्रकार**– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया।

इकाई–2

(क) शब्द एवं वाक्यगत अशुद्धि संशोधन।

(ख) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ अर्थ एवं वाक्य प्रयोग।

इकाई–3

(क) संक्षेपण।

(ख) पल्लवन।

इकाई–4

(क) पत्र लेखन शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय आदेश।

(ख) निबंध लेखन (शब्द सीमा–400)

आंतरिक मूल्यांकन

राजस्थान के किसी ऐतिहासिक अथवा सांस्कृतिक स्थल की यात्रा पर विवरणात्मक लेख।

<u>अनुशंसित ग्रंथ–</u>

1. हिन्दी व्याकरण– कामताप्रसाद गुरू
2. हिन्दी की वर्तनी और शब्द विशेषण– किशोरी दास वाजपेयी
3. हिन्दी भाषा की संरचना– भोलानाथ तिवारी
4. अच्छी हिन्दी– रामचन्द्र वर्मा
5. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना– डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
6. हिन्दी का मानक स्वरूप – देवर्षि कलानाथ शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर
7. अनुप्रायोगिक हिन्दी– डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, अरूणोदय प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

ABILITY ENHANCEMENT COURSE

बी.ए./बी.एससी./ बी. कॉम- मूक बधिर - द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

2 क्रेडिट-50 अंक

प्रश्नपत्र-40 अंक

आंतरिक मूल्यांकन-10 अंक

उद्देश्य (Objectives)	1. यह नवीन पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में जिज्ञासा, कौशल और शोध को ध्यान में रखकर बनाया गया है जो न केवल इनको बढ़ावा देगा अपितु नवीन सृजनात्मकता के विकास में सहायक होगा। 2. साहित्यकारों के विचारों से परिचित होना तथा उनके दृष्टिकोणों को भावी पीढ़ी हेतु प्रभावी बनाना। 3. हिन्दी भाषा को अधिक सशक्त और व्यापक बनाना तथा भाषायी कौशलों को विकसित करना। 4. शोध के लिए नवीन शैक्षिक दृष्टि की भावभूमि तैयार करना। 5. सृजनात्मक लेखन के प्रति आकर्षण और पौढ़ता की भावना को अधिक सहज बनाना।
अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)	1. आधुनिक भारत के निर्माण में अनुशासन, सहयोग और समन्वय की भावना का विकास सम्भव हो सकेगा। 2. विद्यार्थियों में सामाजिकता और समरसता की भावना का विकास हो सकेगा। 3. लेखक/कवि की मूल भावना का विकास तथा समाजोपयोगी कार्य में गति आ सकेगी। 4. संस्कृति, धर्म और आदर्श के नवीन प्रतिमान स्थापित हो सकेंगे। 5. यथार्थ अनुभूति का समावेश तथा कल्पना का विस्तार सम्भव हो पायेगा।

Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र दो खण्डों (अ और ब) में विभक्त है।

खण्ड- **अ** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 12 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड- **ब** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1, 2, 3, 4 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक अवतरण (एक पाठ से एक) कुल 04 अवतरण आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

इकाई-1 गद्य भाग

कहानी : ईदगाह - प्रेमचन्द

लेख : आज भी खरे हैं तालाब- अनुपम मिश्र

इकाई- 2 गद्य भाग

व्यंग्य : इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर - हरिशंकर परसाई

रेखाचित्र : नीलू - महादेवी वर्मा

इकाई 3 पद्य भाग

सूरदास- **सूरसागर सार, संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (कुल 03 पद)**

चरण कमल बन्दौ हरिराई

यशोदा हरि पालने झुलावै

संदेसो देवकी सों कहियो

तुलसीदास- **श्रीरामचरितमानस - लंका काण्ड (दो पद)**

बाँधि सेतु अति सुदृढ़ बनावा .....चढ़ि पारहि जाहिं

अस कौतुक बिलोकि द्वौ भाई ....उदधि पयोधि नदीस

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

मीरा- **पदावली, संपादक शंभुसिंह मनोहर**

बसो मेरे नैनन में नंदलाल (पद सं. 2)

मेरो तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई (पद सं. 10)

माई री ! मैं तो लियो गोविन्दो मोल (पद सं. 13) -

इकाई 4 पद्य भाग

मैथिली शरण गुप्त- मातृभूमि

निराला - बादल राग-6, वह तोड़ती पत्थर

आन्तरिक मूल्यांकन

राजस्थान के किसी हिंदी रचनाकार की साहित्य-साधना पर विस्तृत निबंध।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR